12

इसे जगाओ

(कविता)

बोलना/सुनना	पढ़ना-लिखना	व्याकरण-बिंदु	जीवन-कौशल/क्रियाकलाप
• आत्मीयतापूर्ण संबोधन • बातचीत की शैली, • उपदेशपरक भाषा	• कविता	• 'सोना' और 'जागना' का प्रतीकार्थ	• जीवन में सजगता और समय-नियोजन के संदर्भों को जानना

मूल भाव

'इसे जगाओ' कविता समय पर सजग-सचेत रहने और कार्य करने का संदेश देती है। इस संदेश की अभिव्यक्ति के लिए कवि ने प्रकृति का सहारा लिया है। 'जागने' और 'सोने' का प्रतीक रूप में उपयोग किया है। इन सबसे यह कविता सुंदर एवं भावपूर्ण बन पड़ी है। जो लोग सोए हैं अर्थात् सजग एवं सचेत नहीं हैं, उन्हें जगाने के लिए यानी सजग बनाने के लिए कवि सूरज, पवन, पक्षी से बहुत ही आत्मीयतापूर्ण आग्रह करता है। इन तीनों से आग्रह करने का कारण यह है कि ये तीनों ही गतिशीलता और सकर्मकता के प्रतीक हैं। कवि चाहता है कि सभी इनकी तरह बनें। कवि ने यह संदेश भी दिया है कि सजग रहने की सार्थकता तभी है, जब समयानुसार सजग हों। समय निकल जाए, तो भागकर उसे पकड़ा नहीं जा सकता। समय निकल जाने पर भागने की अपेक्षा समयानुसार चलना ही बेहतर है।

मुख्य बिंदु

- कवि ने सूरज, हवा और पंछी को मनुष्य की तरह मानकर आत्मीय भाव से संबोधित किया है।
- आत्मीय भाव से संबोधन के पीछे यह आग्रह है कि समय के साथ न चलने वाले आदमी का सच्चाई से परिचय कराया जाए और उसमें जागृति उत्पन्न हो।
- 'जगाना', 'हिलाना' और 'चिल्लाना' सोए हुए व्यक्ति को जगाने के तरीके हैं। सोए हुए व्यक्ति को जगाने के लिए सूरज से जगाने, हवा से हिलाने और पंछी से चिल्लाने के लिए कहना कविता के सौंदर्य को बढ़ाता है।
- सजग होना तभी सही कहा जाएगा, जब ठीक समय पर सजग हों। समय निकल जाने पर सजग होने से पछतावे के अतिरिक्त कुछ और हासिल नहीं होता।
- कभी-कभी देर से सजग होने वाला व्यक्ति हड़बड़ी में भागता है, जिससे अनेक तरह के संकट उत्पन्न हो सकते हैं।
- घबराकर भागने और तेज़ गति से चलने में अंतर है। तेज़ गति का अर्थ है—सही अवसर पर सचेत होना।

आइए समझें

- सूर्य, पवन और पक्षी प्रकृति के अंग हैं और मनुष्य के साथी भी। प्रकृति अपने नियमित कार्यकलापों के माध्यम से मनुष्य को भी जागकर कार्य करने की प्रेरणा देती है; इसीलिए जीवन में सोए हुए

प्राणी को जागने की प्रेरणा देने के लिए कवि ने प्रकृति को आधार बनाया है।

- सपने देखना आवश्यक है, क्योंकि इससे बड़े उद्देश्य निर्धारित होते हैं और उन्हें प्राप्त भी किया जाता है। लेकिन, सपनों में खोए रहना निष्क्रियता की ओर संकेत करता है। शेखचिल्ली और मुंगेरीलाल सपनों में खोए रहते थे, इसलिए हँसी के पात्र बने।

महत्त्वपूर्ण व्याकरण-बिंदु

- **प्रतीकार्थ :** जगाओ=सजग करो

  सोना=ज्ञान व चेतना का न होना

- **विशेष अर्थ :** सपनों में खोए रहना=व्यर्थ की कल्पनाओं में डूबे रहना।

  बेवक्त जागना=समय निकल जाने पर सजग होना।

  सच से बेख़बर=जगत की प्रत्येक बात से अनजान होना, इस जीवन-सत्य को न जानना कि समय पर सजग रहने से ही उद्देश्य की प्राप्ति होती है।

- आम बोलचाल की भाषा है।
- एक ही अर्थ का बोध कराने वाले शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे–'फूल' को पुष्प, सुमन या कुसुम भी कहते हैं, इसलिए ये सभी समानार्थी या पर्यायवाची शब्द हैं।

सराहना-बिंदु

- बातचीत की शैली में तथा कम और आसान शब्दों में गंभीर बात कहने की कला बहुत समर्थ कवियों में ही पायी जाती है। इस कविता में भी यह कला देखी जा सकती है।
- कवि ने प्रगति या तरक्की का अर्थ बहुत सुंदर ढंग से अभिव्यक्त किया है। प्रगति हड़बड़ाहट में भागने से नहीं होती, बल्कि विचारपूर्वक स्थितियों को समझकर, उनका आकलन कर सही दिशा में प्रयास करने से होती है। इसके लिए आदमी को निरंतर सजग और सक्रिय रहने की आवश्यकता है।
- जगाने, हिलाने और चिल्लाने के रूप में जगाने के तरीकों के लिए क्रमशः सूर्य, पवन और पक्षी से अनुरोध करना कविता के सौंदर्य को बढ़ाता है।
- कवि ने 'घबरा के भागने' और 'क्षिप्र गति' में बड़े सुंदर ढंग से अंतर किया है।

योग्यता बढ़ाएँ

- हिंदी की अनेक कविताओं और कहावतों में चेतना, ज्ञान तथा सच को पहचानने का अर्थ देने के लिए 'जागना' शब्द का प्रयोग किया गया है, इनमें से कुछ को इकट्ठा कीजिए।
- प्रातःकाल को 'ब्राह्ममुहूर्त' भी कहा जाता है, इस समय होने वाली प्राकृतिक और मनुष्य समाज की गतिविधियों को ध्यान से देखिए।
- आपके घर में अनेक सदस्य होंगे। उनमें से कुछ तो खुद ही सोकर उठ जाते होंगे और कुछ को जगाया जाता होगा। विभिन्न सदस्यों को जगाने के तरीकों पर ध्यान दीजिए।

यह जानना ज़रूरी है

- सूरज सभी को जीवन देने वाला है। वह हमें प्रकाश तथा ऊष्मा भी देता है। सूरज के उदित होने पर मनुष्य और पशु-पक्षी, पेड़-पौधे सक्रिय हो जाते हैं।
- हमें जीवन देने वाला दूसरा तत्त्व है– हवा। हवा स्वयं तो गतिशील और सक्रिय है ही, दूसरों को भी सक्रिय करती है।
- पक्षियों का कलरव भी प्रकृति की जीवंतता का लक्षण है। पक्षियों का चहचहाना हम सभी को आकर्षित करता है।

अधिकतम अंक कैसे पाएँ

- एक बार पूरी कविता को ध्यानपूर्वक पढ़कर मूल भाव ग्रहण कीजिए।
- काव्य-सौंदर्य पर विशेष ध्यान दीजिए।
- प्रतीकार्थ और विशेष अर्थ रखने वाले शब्दों को अर्थ सहित याद रखिए।
- पाठ में दिए गए प्रश्नों को हल कीजिए और क्रियाकलापों को भी अवश्य कीजिए।

अपना मूल्यांकन करें

1. कभी-न-कभी आपके साथ भी यह हुआ होगा कि सही समय पर सजग न रहने पर आप हड़बड़ाकर किसी कार्य में लगे होंगे, इसका क्या परिणाम हुआ?
2. क्या आपने अपने आस-पास पक्षियों का कलरव सुना है? दिन के किस समय पक्षी अधिक सक्रिय होते हैं– उल्लेख कीजिए।
3. 'घबरा के भागने' और 'क्षिप्र गति' में कवि ने किस प्रकार भेद किया है?
4. कवि पवन से कहता है कि सोए हुए व्यक्ति को हिलाओ। पवन से ही यह कहना क्यों उपयुक्त है–कारण बताते हुए उल्लेख कीजिए।
5. सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्न का उत्तर दीजिए :

   निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प अलग ढंग का है–

   (क) सपनों में खोये रहना ( ) (ख) सच से बेख़बर रहना ( )

   (ग) बेवक्त जागना ( ) (घ) सपने देखना ( )